आईआईएमसी लोगो के उपयोग के लिए दिशानिर्देश

GUIDELINES FOR THE USAGE OF IIMC LOGO

www.iimc.gov.in

Bouquet of IIMC Publications

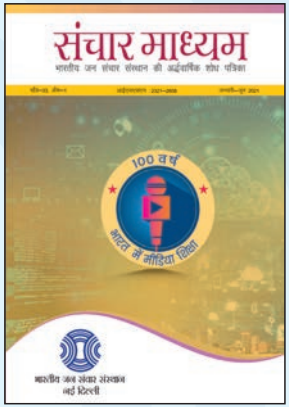

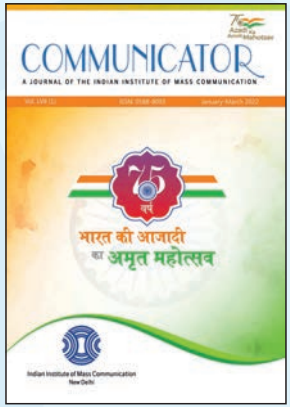

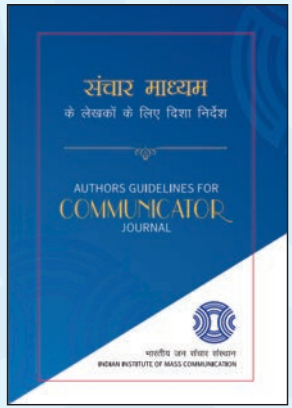

आईआईएमसी लोगो के उपयोग के लिए दिशानिर्देश

GUIDELINES FOR THE USAGE OF IIMC LOGO

Printed: December 2021

Correct Citation: Guidelines for the usage of IIMC Logo, 2021, Indian Institute of Mass Communication, New Delhi

Editor: Prof. (Dr.) Virender Kumar Bharti
Assistant Editor : Dr. Pawan Koundal

© Indian Institute of Mass Communication, New Delhi

ISBN: 978-81-953439-0-4

Printed and Published by Prof. Virender Kumar Bharti, Professor and Head, Publications, on behalf of Indian Institute of Mass Communication, Aruna Asaf Ali Marg, New JNU Campus, New Delhi and Printed at M/s Chandu Press, 469, Patparganj, Industrial Estate, Delhi-110092.

प्रस्तावना

प्रो. संजय द्विवेदी
महानिदेशक,
भारतीय जन संचार संस्थान,
नई दिल्ली

पहचान और विश्वसनीयता दो ऐसे प्रमुख कारक हैं, जो किसी भी संस्था के गौरव में योगदान देते हैं। ये दोनों कारक उस संस्था से जुड़े विविध हितधारकों के लिए भी महत्त्वपूर्ण होते हैं और उनके ब्रांड में भी योगदान देते हैं। जन संचार के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण प्रदान करने और अनुसंधान करने वाले भारतीय जन संचार संस्थान की वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान और विश्वसनीयता है, फिर भी यह महसूस किया गया है कि यदि इसके विभिन्न पदाधिकारी संगठित और सुनियोजित रूप से प्रयास करें, तो 'आईआईएमसी' ब्रांड की पहचान को और अधिक व्यापक बनाया जा सकता है।

वस्तुतः, 'लोगो' किसी भी संस्था की ब्रांड रणनीति का महत्त्वपूर्ण पहलू होता है और इसे किसी भी संस्था का 'चेहरा' माना जाता है। इसे विशिष्ट पहचान के साथ तथा रंगों, फॉण्ट और छवियों के माध्यम से सुचित्रित रूप से प्रदर्शित किया जाता है। सामान्य तौर पर, लोगो सभी प्रकार के दृश्य संचार, जैसे पुस्तकों, पत्रिकाओं, रिपोर्ट, स्टेशनरी, वेबसाइट, विजिटिंग कार्ड और सभी प्रकार की विज्ञापन और विपणन सामग्री में प्रयोग किया जाता है।

आईआईएमसी का लोगो वर्ष 1966 के आसपास डिजाइन किया गया था, जैसा कि 1966 में प्रकाशित पत्रिका 'कम्युनिकेटर' की प्रथम मुद्रित प्रति से ज्ञात होता है। हाल ही में इस बात पर गौर किया गया कि आईआईएमसी के मौजूदा लोगो में टैगलाइन और संस्थान के नाम जैसे मूलभूत संघटकों का उपयोग नहीं किया गया है। टैगलाइन और संस्थान के नाम की अनिवार्यता पर विचार करते हुए एक संशोधित लोगो डिजाइन किया गया तथा इसे सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव श्री अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में आईआईएमसी की कार्यकारी परिषद की 6 अक्तूबर, 2021 को आयोजित 145वीं बैठक में प्रस्तुत किया गया। इस संशोधित लोगो को इसी बैठक में आईआईएमसी की कार्यकारी परिषद द्वारा मंजूरी दी गई।

आईआईएमसी के स्वीकृत लोगो को सभी उपयोगकर्ताओं द्वारा किस प्रकार उपयोग करना है, इसके लिए एक अच्छी तरह से संरचित लोगो उपयोग दिशानिर्देश विकसित करने की आवश्यकता भी महसूस की गई। इसी दिशा में यह पुस्तिका तैयार की गई है। इस पुस्तिका में आईआईएमसी लोगो का उपयोग कैसे किया जाना है, इसके सभी तत्त्व शामिल हैं। इन दिशानिर्देशों में विभिन्न घटकों के लिए विस्तृत निर्देश शामिल हैं, जैसे—लोगो का रंग, लोगो को बढ़ाना और घटाना, विभिन्न प्रकाशनों के लिए लोगो का आकार और अन्य निर्देश शामिल हैं।

मुझे उम्मीद है कि यह पहल आईआईएमसी के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। मैं आईआईएमसी के प्रकाशन विभाग की पूरी टीम और विशेष रूप से प्रो. वीरेंद्र कुमार भारती को आईआईएमसी लोगो के उपयोग के लिए दिशानिर्देशों को पूरी बारीकी से विकसित करने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

FOREWORD

Prof. Sanjay Dwivedi
Director General,
Indian Institute of
Mass Communication,
New Delhi

Visibility and credibility are the two major factors contributing to pride of any organization. Both these factors are also important to various stakeholders associated with that organization and contribute to their brand as well. The Indian Institute of Mass Communication which is mandated for teaching, training and undertaking research in the areas of mass communication is having its own visibility and credibility globally. However, it was felt that there is a great potential in further enhancing the 'IIMC' brand visibility if consolidated and well-planned efforts are put in by its different functionaries.

As a matter of fact, logo is a critical aspect of the brand strategy and considered "FACE" of an organization which is displayed graphically having unique identity, and through colours, fonts and images. Broadly, the logo applies to all visual communications, such as books, magazines, reports, stationery, websites, social media, visiting cards and all advertising and marketing materials.

The IIMC logo which was designed during 1966 as is evident through the first issue of printed copy of 'Communicator' Journal, published in the year 1966. Recently, it has been observed that the logo is missing the basic components like a tag line and name of the organisation. Considering the essentiality of the tag line and name of the organization, a revised logo was designed and placed before the 145th meeting of the IIMC's Executive Council held on 6th October, 2021 under the Chairmanship of Sh. Apurva Chandra, Secretary, Ministry of information and broadcasting, and has been approved by the IIMC's Executive Council in the same Meeting.

In order to utilize the approved Logo of IIMC by all end users, a need was felt to develop a well-structured Logo Usage Guidelines. The IIMC Logo Usage Guidelines booklet comprising all elements of how Logo is to be utilize. These Guidelines consisting of detailed instructions for various components like; Color, its enlargement and reduction, logo sizes for different publications and other instructions.

I hope this initiative would prove to be a mile stone in the history of IIMC. I congratulate the entire team of Publication Department of IIMC and especially Prof. V.K. Bharti for developing the logo as well as the IIMC Logo Usage Guidelines very meticulously.

विषय सूची

- प्रस्तावना iii
- आईआईएमसी के लोगो के उपयोग के लिए दिशानिर्देश 1
- नया संशोधित लोगो 2
- आईआईएमसी के लोगो का रंग 3
- विभिन्न प्रकार के प्रकाशनों के लिए लोगो 5
- क्या नहीं करें 5
- लोगो का अनुशंसित आकार 6
- लोगो को बढ़ाना और घटाना 7
- लोगो के फाइल फॉर्मेट 7
- लोगो का उपयोग कौन कर सकता है? 8

CONTENTS

- FOREWORD iv
- GUIDELINES FOR THE USAGE OF IIMC LOGO 10
- NEW REVISED LOGO 11
- COLOUR OF IIMC LOGO 12
- LOGO FOR DIFFERENT TYPES OF PUBLICATIONS 13
- DON'Ts 14
- RECOMMENDED SIZE OF LOGO 14
- ENLARGEMENT AND REDUCTION OF LOGO 15
- FILE FORMAT OF LOGO 15
- WHO CAN USE THE LOGO? 17-18

आईआईएमसी के लोगो के उपयोग के लिए दिशानिर्देश

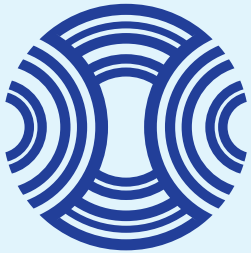

लोगो किसी भी संस्थान की ब्रांड रणनीति का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है और इसे किसी भी संस्थान का 'चेहरा' माना जाता है। लोगो की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे रंगों, फॉण्ट और छवियों के माध्यम से सुचित्रित रूप से प्रदर्शित किया जाता है। सामान्य रूप से लोगो सभी प्रकार के दृश्य संचार जैसे पुस्तकों, पत्रिकाओं, रिपोर्ट, स्टेशनरी, वेबसाइट, विजिटिंग कार्ड और सभी प्रकार की विज्ञापन और विपणन सामग्री पर लागू होता है। भारतीय जन संचार संस्थान ज्ञान आधारित सूचना समाज के निर्माण के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए मीडिया शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और प्रशिक्षण प्रदान करने, बहुलवाद, सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकता पर आश्रित मानव विकास, सशक्तीकरण और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में योगदान देने में संलग्न है।

भारतीय जन संचार संस्थान का लोगो वर्ष 1966 के आसपास डिजाइन किया गया था जैसा कि 1966 में प्रकाशित पत्रिका 'कम्युनिकेटर' की प्रथम मुद्रित प्रति से पता चलता है। संस्थान के मौजूदा लोगो में किसी भी तरह की टैगलाइन (या प्रचार वाक्य) और संस्थान का नाम नहीं है। इसलिए इन सभी संघटकों को शामिल करते हुए एक संशोधित लोगो डिजाइन किया गया है तथा इसे सूचना एवं प्रसारण मंत्रलय में सचिव श्री अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में भारतीय जन संचार संस्थान की कार्यकारी परिषद की 6 अक्तूबर, 2021 को आयोजित 145वीं बैठक में प्रस्तुत किया गया।

नया संशोधित लोगो

हाई रेजोल्युशन में अंतर्निहित टैगलाइन और संस्थान के नाम वाले एक संशोधित लोगो को भारतीय जन संचार संस्थान की कार्यकारी परिषद की 06 अक्तूबर, 2021 को आयोजित बैठक द्वारा मंजूरी दी गई।

प्रस्तावित लोगो का विवरण निम्नलिखित है :

टैगलाइन (या प्रचार वाक्य)	आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
हिंदी में अर्थ	हमें सब ओर से कल्याणकारी विचार प्राप्त हों।
अँग्रजी में अर्थ	Let noble thoughts come to me from all directions
संस्थान का नाम	भारतीय जन संचार संस्थान

आईआईएमसी का नया संशोधित लोगो

आईआईएमसी के लोगो का आईआईएमसी द्वारा जारी किए जाने वाले सभी आधिकारिक दस्तावेजों, पोस्टर, बैनर, प्रकाशन, वेबसाइट, सोशल मीडिया सामग्री, पहचान पत्र, पुस्तकालय कार्ड, विजिटिंग कार्ड आदि में उपयोग किया जाएगा।

आईआईएमसी के लोगो का रंग

लोगो का आधिकारिक रंग नीला है। लोगो को प्रकाशनों, वेबसाइटों आदि पर बहुधा नीले रंग या ग्रे टोन में (श्वेत श्याम प्रकाशन की स्थिति में) में मुद्रित किया जाना चाहिए।

लोगो का सही नीले रंग का उपयोग किया जाना चाहिए, क्योंकि अलग–अलग वेंडर, कागज, कपड़े के बैनर, फ्लेक्स या काँच आदि जैसे विभिन्न माध्यमों पर विभिन्न साधनों से रंगों को रिप्रोडक्शडन करने का कार्य कर रहे हैं। ऑफसेट प्रिंटिंग के लिए पैनटोन रंग विनिर्देश प्रणाली में आईआईएमसी के लोगो के रंगों के लिए अंतिम निर्देश बिंदु (अल्टीमेट रैफ्रेंस प्वाइंट) विकसित किया गया है।

रंग	रंग का मान
सीएमवाईके (स्यान, मैजेंटा, येलो और ब्लैक)	स्यान = 100 मैजेंटा = 90 येलो = 0 और ब्लैक = 0
आरजीबी	रेड = 50 ग्रीन = 60 और ब्लू = 113

विभिन्न प्रकार के प्रकाशनों के लिये लोगो

'लोगो' भारतीय जन संचार संस्थान के सभी मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशनों पर प्रमुखता से प्रदर्शित होना चाहिए यथा;

क. मुद्रित प्रकाशन के लिए

- **पुस्तकें और रिपोर्ट:** लोगो आवरण पृष्ठ और मुख पृष्ठ पर उपयुक्त रूप से प्रदर्शित होना चाहिए।
- **पत्रिका, जर्नल, फ्लायर, फोल्डर, ब्रोशर, स्टेशनरी का सामान:** लोगो आवरण पृष्ठ पर उचित रूप से प्रदर्शित होना चाहिए।

ख. विज्ञापन और प्रदर्शन सामग्री (डिस्प्ले मेटिरियल्स) के लिए

- **समाचार पत्रों, पत्रिकाओं आदि में विज्ञापन:** लोगो को उचित रूप से और प्रमुखता के साथ प्रदर्शित होना चाहिए।
- **डिस्प्ले बोर्ड :** लोगो फ्लैक्स (बैनर अथवा काँच पर उचित रूप से तथा प्रमुखता के साथ प्रदर्शित होना चाहिए।

ग. इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रदर्शन के लिए

- **वेबसाइट पर:** होम पेज पर लोगो उचित रूप से और प्रमुखता के साथ प्रदर्शित होना चाहिए।
- **सीडी:** कॉम्पैक्ट डिस्क और उसके कवर पर लोगो उचित रूप से और प्रमुखता से प्रदर्शित होना चाहिए।

क्या नहीं करें

- लोगो को खुद बनाने की कोशिश न करें।
- सदैव आईआईएमसी से 'लोगो' की अधिकृत इलेक्ट्रॉनिक फाइल प्राप्त करें।
- पहले से मुद्रित संस्करण से स्कैन के जरिए लोगो की प्रतिलिपि न बनाएँ। इस प्रकार की 'सेकेंड जनरेशन इमेज' चित्र की गुणवत्ता को कम करेगी तथा विविध तत्त्वों का पैमाना (या स्केल) बदल सकती है।
- इस स्थिति में लोगो को रिवर्स में छापने से बचना चाहिए :
  - हल्के अनग्लेज्ड न्यूजप्रिंट पेपर पर मुद्रण।
  - कम स्पाइन की पुस्तक पर मुद्रण।
  - लोगो के साथ अन्य सामग्री प्रस्तुत करने से बचना चाहिए।

लोगो का अनुचित उपयोग

- कभी भी लोगो को फैलाकर (स्ट्रेच) या सिकोड़ कर (कंप्रेस) उसके साथ किसी तरह की तोड़–मरोड़ न करें अथवा उसे विकृत न करें।
- लोगो के मूलतत्त्व को कभी नहीं बदले।
- लोगो में कोई भी तत्त्व जैसे रेखा या कोई अन्य निशान नहीं जोड़ें।

लोगो का अनुशंसित आकार

- अक्सर मुद्रित होने वाली पुस्तकों और रिपोर्ट, पत्रिका, जर्नल, फ्लायर, फोल्डर, ब्रोशर, स्टेशनरी, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के विज्ञापन के आकार के अनुसार लोगो के आकार का वर्गीकरण किया गया है :

प्रकाशन की श्रेणी	प्रकाशन का आकार	लोगो का वरीय आकार
रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, पत्रिका, जर्नल, फ्लायर, फोल्डर, ब्रोशर, स्टेशनरी	डेमी क्वार्टो (8.75x11 इंच) और ए–4 आकार (8.25x11.75 इंच)	1.25 इंच ऊँचाई (3.17 सेमी) लोगो को डायग्नल रूप से घटाया और बढ़ाया जाना चाहिए
रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, पत्रिका, जर्नल, फ्लायर, फोल्डर, ब्रोशर, स्टेशनरी	क्राउन क्वार्टो (7.25x9.50 इंच) और रॉयल ऑक्टेवो साइज (6.25x9.50 इंच)	1 इंच ऊँचाई (2.54 सेमी) लोगो को डायग्नल रूप से घटाया और बढ़ाया जाना चाहिए

- आईआईएमसी के लोगो के आकार की स्पष्ट झलक के लिए लोगो के आसपास कम–से–कम 3 मिमी. जगह खाली छोड़नी चाहिए।

लोगो को बढ़ाना और घटाना

- लोगो को डायग्नल रूप से घटाया और बढ़ाया जाना चाहिए ।
- लोगो को फैलाना या सिकोड़ना नहीं चाहिए ।

लोगो के फाइल फॉर्मेट

- अलग–अलग फाइल फार्मेट में उपयोग के लिए हाई रेजोल्यूशन डिजिटल फाइल।
  ये हाई रेजोल्युशन फाइलें हैं :
  - टैग्ड इमेज फाइल फॉर्मेट (टीआईएफएफ)
  - ज्वाइंट फोटोग्राफिक एक्सपर्ट्स ग्रुप (जेपीईजी)
  - पोर्टेबल नेटवर्क ग्राफिक्स (पीएनजी)
  - माइक्रोसॉफ्ट वर्ड (डॉक)
  - पोर्टेबल डॉक्यूमेंट फॉर्मेट (पीडीएफ)

लोगो का उपयोग कौन कर सकता है?

- आईआईएमसी द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ और कार्यक्रम परियोजना/कार्यक्रम की अवधि तक सीमित।
- लोगो का मुख्य रंग 'सफेद' बैकग्राउंड में 'नीला' होगा। हालाँकि मिलते–जुलते रंगों का भी सावधानी से उपयोग किया जा सकता है। कुछ विशेष शर्तों के साथ, यथा बैकग्राउंड का रंग बदला नहीं जा सकता; जैसे, कलात्मक प्रस्तुतियाँ, धातु से बनी प्रतियाँ या स्मृति चिह्न, एनिमेशन आदि।
- आईआईएमसी के प्रत्येक भवन के प्रवेश द्वार पर और आधिकारिक वाहनों पर आईआईएमसी के लोगो को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। सभी बैठकों, सेमिनार हॉल, सभागारों और सार्वजनिक बैठक स्थलों पर (ओपन या कवर्ड) आईआईएमसी का लोगो सुस्पष्ट रूप से इस प्रकार लगाया जाएगा कि समारोह के दौरान वह बहुसंख्य लोगों को दिखाई दे। आईआईएमसी का लोगो भवन के सार्वजनिक मार्ग से सटे हिस्सों पर प्रदर्शित किया जा सकता है। रात्रि के समय इसकी दृश्यता बनाए रखने के लिए इसके अग्रभाग पर रोशनी की जा सकती है।
- कोई भी व्यक्ति आईआईएमसी की पूर्व अनुमति लिए बिना ऐसे किसी चिह्न अथवा मिलते–जुलते रंग की ऐसी कोई सामग्री इस्तेमाल नहीं करेगा, जिससे वह आईआईएमसी से संबद्ध दिखे अथवा वह दस्तावेज ही आईआईएमसी का प्रतीत हो।
- कोई भी व्यक्ति ऐसे मामलों के अतिरिक्त और ऐसी शर्तों के तहत जो निर्धारित की जा सकती हैं, किसी भी व्यापार, कारोबार, उद्यम अथवा व्यवसाय के उद्देश्य से अथवा किसी भी पेटेंट के शीर्षक अथवा किसी ट्रेड मार्क अथवा डिजाइन में इस लोगो का इस्तेमाल नहीं करेगा।

लोगो का उपयोग कौन कर सकता है?

- किसी भी व्यक्ति द्वारा निजी वाहनों या निजी स्टेशनरी पर लोगो का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। विशेष मामलों में राहत तब दी जा सकती है जब संस्थान सुरक्षा या किसी अन्य उद्देश्य से कुछ वाहनों/अधिकारियों को विशेष स्टिकर या पास जारी करे।
- सभी उद्देश्यों के लिए, आईआईएमसी वेबसाइट पर उपलब्ध लोगो की सॉफ्ट कॉपी का इस तरह से उपयोग किया जाना चाहिए कि लोगो विकृत, अशुद्ध या अस्पष्ट न रहे। लोगो का अभिमुखता अनुपात या आस्पेक्ट रेशियो (ऊँचाई से चौड़ाई का अनुपात) बदला नहीं जाना चाहिए, हालाँकि आवश्यकता के अनुसार इसके आकार को बदला जा सकता है।

GUIDELINES FOR THE USAGE OF IIMC LOGO

Logo is a critical aspect of the brand strategy and considered "FACE" of an organization which is displayed graphically having unique identity, and through colors, fonts and images. Broadly, the logo applies to all visual communications, such as books, magazines, reports, stationery, websites, visiting cards and all advertising and marketing materials. The Indian Institute of Mass Communication is engaged in imparting media education, research, extension and training, using state-of-the-art technology for building a knowledge driven information society, contributing to human development, empowerment and participatory democracy, anchored in pluralism, universal values and ethics.

The IIMC logo which was designed during 1966 as is evident through the first issue of printed copy of 'Communicator' Journal, published in the year 1966. Since the existing logo of IIMC was not carrying any tag line and name of the organisation, therefore, a revised logo with all these components were designed and placed before the 145th meeting of the IIMC's Executive Council held on 06.10.2021 under the Chairmanship of Sh. Apurva Chandra, Secretary, Ministry of I&B.

NEW REVISED LOGO

A revised logo in high resolution embedded with tag line and name of the organisation has been approved by the IIMC's Executive Council Meeting held on 6th October,2021.

The description of proposed logo is as under:

Revised LOGO of IIMC

Tagline	आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
Meaning in Hindi	हमें सब ओर से कल्याणकारी विचार प्राप्त हों।
Meaning in English	Let noble thoughts come to me from all directions
Institute's name	भारतीय जन संचार संस्थान

The IIMC logo would be used in all official documents, posters, banners, publications, website, social media content, identity cards, library cards, visiting cards, etc. brought out by IIMC.

COLOUR OF IIMC LOGO

The official colour of logo is BLUE. Logo must be printed in blue colour or in grey tone (in case of black and white publication) frequently on publications, websites, etc.

Correct blue colour should be used as different vendors working on various media using different means for reproducing colors for example on paper, cloth banner, flex, or glass. The ultimate reference point for the IIMC logo colors in the Pantone color specification system, developed for offset printing.

Colour	Value of Colour
CMYK(Cyan, Magenta, Yellow and Black)	Cyan = 100 Magenta = 90 Yellow = 0 and Black = 0
RGB (Red, Green and Blue)	Red = 50 Green = 60 and Blue = 113

LOGO FOR DIFFERENT TYPES OF PUBLICATIONS

The logo must appear in a prominent position on all print and electronic communications of the Indian Institute of Mass Communication viz;

A. For print publication

- **Books and Reports:** The logo should be placed on the front cover and title page appropriately
- **Magazine, Journal, Flier, Folder, Brochure, Stationery items:** The logo should be placed on the front cover page appropriately

B. For advertising and display materials

- **Advertisement in Newspapers, Magazine etc.:** The logo must be placed appropriately and prominently.
- **Display Board:** The logo should be placed appropriately and prominently on flex, banner or glass.

C. For display electronically

- **Website:** The logo must be placed appropriately and prominently on homepage.
- **CD:** The logo must be printed appropriately and prominently on compact disc and its cover.

DON'Ts

- Do not attempt to construct the logo.
- Always obtain authorized electronic files of the logo from IIMC.
- Do not reproduce the logo by scanning a previously printed version. Such "second-generation" art will degrade the quality of the image and could alter the scale of the various elements.
- Printing of logo in reverse should be avoided in case of;
  - Printing on low weight unglazed newsprint paper.
  - Printing on smaller width size of book spine.
  - Placing of text and other material with logo should be avoided.

INCORRECT USE OF LOGO

- Never manipulate or distort the logo by stretching or compressing it.
- Never replace an element of the logo.
- Never add any element to the logo, such as line or any other mark.

RECOMMENDED SIZE OF LOGO

- The logo size is categorized according to the size of Books and Reports, Magazines, Journals, Fliers, Folders, Brochures, Stationery, Advertisement in Newspapers, Magazines, frequently printed:

Category of Publication	Publication Size	Preferred size of logo
Reports, Annual Report, Magazines, Journals, Fliers, Folders, Brochures, Stationery	Demy Quarto (8.75 x 11 inches) and A-4 size (8.25 x 11.75 inches)	1.25 inches in height (3.17 cm) The logo should be reduced and enlarged diagonally
Reports, Annual Report, Magazines, Journals, Fliers, Folders, Brochures, Stationery	Crown Quarto (7.25 x 9.5 inches) and Royal Octavo size (6.25 x 9.5 inches)	1 inch in height (2.54 cm) The logo should be reduced and enlarged diagonally

- Minimum 3 mm clear area should be left around the logo for clear visibility

ENLARGEMENT AND REDUCTION OF LOGO

- The logo should be enlarged and reduced diagonally
- Do not stretch or compress

FILE FORMAT OF LOGO

- High resolution digital file in number of different file formats for usage. These high-resolution files are:
  - Tagged Image File Format (tiff)
  - Joint Photographic Experts Group (jpeg)
  - Portable Network Graphics (png)
  - Microsoft Word (doc)
  - Portable Document Format (pdf)

WHO CAN USE THE LOGO?

- Projects and programmes sponsored by IIMC – for the duration limited to the project/ programme.
- The principal colour of logo would be 'Blue' on 'White' background. However, other colour imitations could also be sparingly used only under certain conditions viz. background colour cannot be altered, artistic representations, metallic replicas or souvenirs, animations etc.
- Every building and official vehicles of IIMC must have a logo IIMC logo should be prominently placed at the entrance, all meeting halls, seminar halls, auditoriums and public meeting places (open or covered) and placed in such a way that it is visible to majority of spectators during the function. IIMC logo can also be placed on the building façade adjacent to public roads. Such façades could have illumination for night-time visibility.
- No person shall use the emblem or any colour imitation thereof in any manner which tends to create an impression that it relates to the IIMC or that it is an official document of the IIMC, without the previous permission of the IIMC.
- No person shall use the logo for the purpose of any trade, business, calling or profession or in the title of any patent, or in any trade mark or design, except in such cases and under such conditions as may be prescribed.

WHO CAN USE THE LOGO?

- The logo should not be used by any person on personal vehicles or personal stationery. Special cases of relief could be when an institute issues special stickers or passes to certain vehicles/ officials for the purpose of security or otherwise.

  For all purposes, the softcopy of logo available on the IIMC website should be used in such a way that the logo doesn't get distorted, misprinted or remains unclear. The aspect ratio of the logo (height to width ratio) should not be altered, although size could be changed as per requirement.

भारतीय जन संचार संस्थान
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
अरुणा आसफ अली मार्ग, न्यू जेएनयू कैम्पस
नई दिल्ली- 110067
****

फा.सं.:VII/12/प्रका./आईआईएमसी/2021-एमसीआई/प्रकाशन दिनाँक: 20 दिसम्बर, 2021

कार्यालय आदेश

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) की कार्यकारी परिषद ने दिनाँक 06.10.2021 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव श्री अपूर्व चंद्र की अध्यक्षता में संपन्न अपनी 145वीं बैठक में आईआईएमसी के संशोधित लोगो को स्वीकृति प्रदान की। स्वीकृत लोगो की प्रतिकृति निम्नानुसार है :

अब से, संशोधित लोगो सभी प्रकार के दृश्य संचार, जैसे पुस्तकों, पत्रिकाओं, रिपोर्ट्स, स्टेशनरी, वेबसाइट्स, सोशल मीडिया, विजिटिंग कार्ड्स और सभी प्रकार की विज्ञापन और विपणन सामग्री पर प्रयुक्त और प्रयोग किया जाएगा।

सभी अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा आईआईएमसी के स्वीकृत लोगो का उपयोग करने के लिए रंग, उसके विस्तार और कमी, विभिन्न प्रकाशनों के लिए लोगो के आकार जैसे विभिन्न संघटकों के बारे में विस्तृत निर्देश देने वाली लोगो उपयोग दिशानिर्देश पुस्तिका तथा अन्य निर्देश भी तैयार किए गए हैं और आईआईएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

यह आदेश महानिदेशक, आईआईएमसी की स्वीकृति से जारी किया गया है।

(सुशोभन मंडल)
सहायक कुलसचिव(प्रशा.)

वितरण के लिए प्रति :
1. महानिदेशक, आईआईएमसी के निजी सहायक
2. अपर महानिदेशक, आईआईएमसी के निजी सहायक
3. आईआईएमसी के सभी प्रोफेसर, पाठ्यक्रम निदेशक और कर्मचारी
4. आईआईएमसी के सभी क्षेत्रीय निदेशक
5. विभागाध्यक्ष, प्रकाशन, आईआईएमसी

Indian Institute of Mass Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Aruna Asaf Ali Marg, New JNU Campus
New Delhi-110067

F.N.: VII/12/PUB/IIMC/2021-MCI/Publications Dated: 20.12.2021

OFFICE ORDER

The IIMC's Executive Council in its 145th meeting held on 06.10.2021 under the Chairmanship of Sh. Apurva Chandra, Secretary, Ministry of I&B has approved the revised LOGO of the IIMC. The approved logo is reproduced as under:

Henceforth, the revised logo shall be applied and used in all visual communications, such as books, magazines, reports, stationery, websites, social media, visiting cards and all advertising and marketing materials.

In order to utilize the approved Logo of IIMC by all end users, a Logo Usage Guidelines booklet consisting of detailed instructions for various components like; Color, its enlargement and reduction, logo sizes for different publications and other instructions have also been prepared and available on the IIMC website.

This issues with the approval of the DG, IIMC.

(Susobhan Mondal)
Assistant Registrar (Admn.)

Copy for distribution:
1. PA to DG, IIMC
2. PA to ADG, IIMC
3. All Professors, Course Directors and Staff of IIMC
4. All Regional Directors, IIMC
5. HoD Publications, IIMC

भारतीय जन संचार संस्थान | INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION
आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः